gkgsnotes.com

🌊गंगा नदी तंत्र (Ganga Nadi Tantra)

1. सामान्य परिचय एवं मुख्य तथ्य

- कुल जल ग्रहण क्षेत्र: लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर (भारत में 8.6 लाख वर्ग किमी - सबसे बड़ा)।
- लंबाई: 2525 किलोमीटर (भारत की सबसे लंबी नदी)।
- विस्तार:
  - देश: भारत, नेपाल, चीन, भूटान, बांग्लादेश (नेपाल को 'वॉटर टावर ऑफ़ गंगा' कहा जाता है)।
  - भारत के राज्य (5): उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश (सर्वाधिक), बिहार, झारखंड (सबसे कम), पश्चिम बंगाल।
- उद्गम: तकनीकी रूप से देवप्रयाग (भागीरथी + अलकनंदा) से शुरू; सामान्यतः गंगोत्री हिमनद (गोमुख) से।
- मुहाना (Mouth): बंगाल की खाड़ी।
  - ब्रह्मपुत्र के साथ मिलकर विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा 'सुंदरबन' बनाती है।
  - मालदा (फरक्का) में दो शाखाओं में विभाजन: पद्मा (बांग्लादेश) और हुगली (कोलकाता)।
- विशेष गुण: 'बैक्टीरियोफेज' विषाणु की उपस्थिति के कारण जल स्वतः शुद्ध रहता है।
- अन्य तथ्य: सर्वप्रथम हरिद्वार में मैदानी प्रवेश; उत्तर प्रदेश में बिजनौर से प्रवेश।

2. उद्गम और पंच प्रयाग

- विष्णु प्रयाग: विष्णुगंगा + धौलीगंगा (यहीं से मुख्य धारा 'अलकनंदा' कहलाती है)।
- नंद प्रयाग: अलकनंदा + नंदाकिनी।
- कर्ण प्रयाग: अलकनंदा + पिंडर (कर्ण गंगा)।
- रुद्र प्रयाग: अलकनंदा + मंदाकिनी (केदारनाथ इसी के तट पर है)।
- देव प्रयाग: अलकनंदा + भागीरथी (यहाँ से संयुक्त धारा 'गंगा' कहलाती है)।
- टिहरी बांध: भागीरथी और भीलांगना के संगम पर (भारत का सबसे ऊंचा बांध)।

3. दाएं तट की सहायक नदियां

- यमुना (यमुनोत्री, बंदरपूंछ):
  - सबसे लंबी और पश्चिमी सहायक नदी। प्रयागराज में संगम।
  - सहायक: टोंस, हिण्डन, चंबल, सिंध, बेतवा, केन।
- चंबल (जानापाव पहाड़ी, मह):
  - बीहड़ निर्माण और घड़ियाल संरक्षण के लिए प्रसिद्ध।
  - बांध: गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर, कोटा बैराज।
- सिंध (मालवा का पठार): यमुना में विलय। मनीखेड़ा बांध।
- बेतवा (विंध्य पहाड़ी): हमीरपुर के पास यमुना में। माता टीला परियोजना।
- केन (कैमूर पहाड़ी): पन्ना नेशनल पार्क से गुजरती है। केन-बेतवा लिंक परियोजना।
- सोन (अमरकंटक पहाड़ी): पटना के पास गंगा में।
  - परियोजना: बाणसागर बांध। सहायक 'रिहंद' पर रिहंद बांध (गोविंद बल्लभ पंत सागर झील)।
- पुनपुन (छोटा नागपुर पठार): फतुहा (बिहार) में गंगा में। इसे 'निरंजना' भी कहते हैं (बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति)।

4. बाएं तट की सहायक नदियां

- रामगंगा (नामिक ग्लेशियर): पहली बाईं सहायक। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से गुजरती है।
- गोमती (फुलहर झील, पीलीभीत): मैदानी भाग से निकलने वाली एकमात्र सहायक नदी।
- घाघरा (मापचा चुंग ग्लेशियर): छपरा में संगम। सहायक: शारदा (काली), सरयू, राप्ती।
- गंडक (धौलागिरी पर्वत): पटना के पास संगम। भारत-नेपाल की संयुक्त परियोजना।
- कोसी (गोसाई धाम, नेपाल): 'बिहार का शोक' (मार्ग परिवर्तन के लिए कुख्यात)। इसे 'सप्तकोशी' भी कहते हैं।
- महानंदा (दार्जिलिंग की पहाड़ियां): गंगा की सबसे पूर्वी और अंतिम सहायक नदी।

5. किनारे बसे प्रमुख शहर

- गंगा नदी: ऋषिकेश, हरिद्वार, बिजनौर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर, पटना, मुंगेर, भागलपुर, बक्सर, फरक्का।
- यमुना नदी: दिल्ली, मथुरा, आगरा, इटावा, हमीरपुर, बांदा, प्रयागराज।
- अलकनंदा: बद्रीनाथ।
- मंदाकिनी: केदारनाथ।
- सरयू: अयोध्या।
- गोमती: लखनऊ, जौनपुर।
- हुगली: कोलकाता।
- सोन/पुनपुन: पटना, गया।
- बेतवा: ओरछा।
- रामगंगा: बरेली, बदायूं।

gkgsnotes.com

नोट: यह माइंड मैप केवल त्वरित रिवीजन (Quick Revision) के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय के सभी कॉन्सेप्ट्स को विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने के लिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।

copyright © gkgsnotes.com| All Right Reserved